Impact Factor 2.147

ISSN 2349-638x

Refereed And Indexed Journal

AAYUSHI INTERNATIONAL INTERDISCIPLINARY RESEARCH JOURNAL (AIIRJ)

Monthly Publish Journal

VOL-III | ISSUE- XII | Dec. | 2016

Address
•Vikram Nagar, Boudhi Chouk, Latur.
•Tq. Latur, Dis. Latur 413512
•(+91) 9922455749, (+91) 9158387437

Email
•aiirjpramod@gmail.com

Website
•www.aiirjournal.com

CHIEF EDITOR – PRAMOD PRAKASHRAO TANDALE

अध्ययन यात्रा तथा पर्यटन

Simple Kumari
Assistant Professor,
Department of physical Education,
DAV College of Education, Abohar

अंग्रेजी भाषा के शब्द 'Field' (फील्ड) का प्रयोग विभिन्न–विभिन्न उदेश्यों के लिए किया जाता है जैसे– Battle field (रणभूमि), Players (खेलभूमि) आदि। इसी तरह कुछ कंपनियां अपने व्यापारक क्षेत्र को कुछ जगह स्थान तक सीमिम करके फील्ड का नाम देती है। 'फिल्ड' शब्द का संबंध क्षेत्र तथा निर्धारित सीमा से है। यात्रा (Trip) शब्द ऐ छोटी सी यात्रा, भ्रमण किसी जगह को कम समय में घूमना उसके बारे में नजदीकी से जानना आदि से सबंधित है। एक विद्यार्थी के लिए यात्रा का उद्देश्य शैक्षिक रूचि पैदा करना, जानकारी एकत्रित करना तथा अनजान वस्तुओं की जानकारी प्राप्त करना होता है। अध्यापक का अध्ययन यात्रा का उदेश्य अपने ज्ञान में वृद्धि करना, विषय को रोचक बनाना तथा बालक के ज्ञान के विकास में सहायक होना है।

अध्ययन यात्रा तथा पर्यटन के लिए सबसे पहले स्थान के बारे में जाना जाता है कि कहा जाता है फिर उदेश्य पर ध्यान दिया जाता है कि जाने का मकसद क्या है। आवश्यक चीजों का ध्यान में रखते हुए यात्रा की जाती है ताकि छोटी से छोटी वस्तु का निरिक्षण करके जानकारी एकत्रित हो सके। समय का सदुपयोग भी हो सके। अधिक से अधिक लाभ मिल सके आदि। एक कला छात्र अपनी यात्रा को कलात्मक दृष्टि से देखता है क्योंकि वे उसी नजारे को अपनी कला द्वारा कागज पर उतारने का पत्न करता है। कला की दृष्टि से अध्ययन यात्रा तथा पर्यटन का महत्व इस प्रकार है।

अध्ययन यात्रा तथा पर्यटन का महत्व Importance of Field Trips

प्रत्यक्ष ज्ञान Direct knowledge :– ज्ञान दो तरीकों से अर्जित किया जा सकता है। प्रत्यक्ष रूप से तथा अप्रत्यक्ष रूप से। अप्रत्यक्ष में हम किताबों तथा विभिन्न माध्यमों से किसी विषय के प्रति जानकारी लेते हैं। प्रत्यक्ष रूप से किसी चीज को वास्तविक रूप से देखा जाता है महसूस किया जाता है तथा सीधा अनुभव किया जाता हे। पर्यटन मे प्रत्यक्ष रूप से प्राप्त ज्ञान सच मे सबंधित होता है।

समाज से सबंध Relationship with society :– अध्ययन यात्रा या पर्यटन बालक को समाज के साथ जोड़ती है। यात्रा जाने का मकसद क्या है बीते समय मे क्या हुआ इतिहास क्या कहता है। वे सब बातें जब बालक को ज्ञान के रूप में दी जाती हैं तो बालक की रूचि समाज के प्रति बढ़ती है। वो ऐसी रोचक कहानियों तथा घटनाओं में रूचि लेने लगता है। धीरे–धीरे वह समाजिक क्रियाओं से लोगों से जुड़ने लगता है तथा समाज के सर्म्पक में आने लगता है।

कला से सीधा संर्म्पक Link with real ART :– अध्ययन यात्रा का कला से सीधा सबंध होता है क्योंकि किसी चीज के बारे अगर सूना जाता तो हो सकता है कि बताने वाले के हेर–फेर की वजह से व्यक्ति भटक जाए मगर जब विषय सबंधी ज्ञान सीधा सम्पर्क मे आकर या देखकर ग्रहण किया जाता है। तब उसमें किसी प्रकार के भ्रंम की गुंजाईश नहीं रहेती।

प्रकृति के प्रति रूचि पैदा करना Create Intrest with Nature :– यात्रा करने का कोई न कोई उदेश्य अवश्य होता है। बालक का यत्रा में प्रकृति से सीधा सम्पर्क बनता है। पहाड़ों के नजारे झरने तथा झीलें फूल–बगीचे, बादल तथा नदियों के नजारे देखने वालों को प्रभावित करते हैं तथा प्रकृति के प्रति रूचि उत्पन्न करते हैं।

समय का सदुपयोग Utility of free time :– अध्ययन यात्रा से समय का सदुपयोग होता है। खाली समय में या छुट्टियों में किया गया भ्रमण शिक्षा के साथ–साक्ष समय का सदुपयोग के उदेश्य को भी पूरा करता है तथा

इधर–उधर भटकने की बजाए समय का सही प्रयोग किया जा सकता है।

मनोरंजन का साधन Source of Entraitment :– शैक्षिक महत्व के साथ अध्ययन यात्रा मनोरंजन का विशेष साधन है बच्चों का यात्रा में एक दूसरे से मिलकर खूब बाते करना, खेलना, कूदना, नाचना तथा ज्ञान ग्रहण करना आदि जैसी अनेकों क्रियाएं उनके मन को शांति प्रदान करती है तथा खुशियां पैदा करती है।

शिक्षा के क्षेत्र में उपयोगी Useful in Education :–शिक्षा के क्षेत्र मे भ्रमण का विशेष महत्व है क्योंकि विषय में रोचकता लाने के लिए तथा विषय को सरल बनाने के लिए बालक को उसी जगह जाकर गहराई से ज्ञान दिया जाता है जिससे बालक खुशी–खुशी दिल लगाकर अपना विषय का कार्य सरलता से करता है।

वास्तविकता की पहचान Identification of reality :–अध्ययन यात्रा में हेर–फेर की कोई संभावना नहीं रहती क्योंकि वास्तविकता की पहचान तब ही हो सकती है जब सामने सीधा सम्पर्क करके कोई कार्य किया जाता है। ऐसे कार्यों में संदेह की किसी प्रकार की संभावना नहीं रहती। जो कुछ खुली आँख से देखा जाता है उसी का वर्णन किया जाता है।

इतिहास की जानकारी Knowledge of Past :–अध्ययन यात्रा का इतिहास से भी गहरा सबंध होता है। मनोरंजन के साथ–साथ ये बालक को बीती घटनाओं राजा–महाराजों आदि से सबंधित पूरी जानकारी देते हैं उदाहरण के तौर पर अगर बालकों को ताजमहल का ज्ञान देना है तो उसे आगरा लेजाकर सत्य से परिचित कराना ज्यादा आसान रहेगा बल्कि उसे किताबों में पढ़ाने से क्योंकि वहां जाकर बालकों को उसके बनाने का कारण, व्यक्ति का नाम या जो भी घटना जुड़ी है उसके बारे में पूरे इतिहास की जानकारी मिलती है।

ज्ञान में वृद्धि Increase Knowledge :–भ्रमण या यात्रा बालकों में ज्ञान की वृद्धि का एक मुख्य स्त्रोत है। यात्रा पर जाने की योजना बनाने से लेकर, कुल खर्चा, आने जाने की सुविधा, विभिन्न स्टेशन तथा स्थान का पूरा ताना बाना बालक के ज्ञान को बताने का एकमात्र स्त्रोत है।

नीरिक्षण शक्ति में विकास Development of supervision :–यात्रा में बालक जब किसी चीज को खुली आँख से देखता है तो उसके मन में कब, क्यों तथा कैसे जैसे अनेकों सवाल आते हैं जिनके उत्तर जाने में वह उतावला होता है। इससे बालक की कल्पना शक्ति, समृति तथा सोच विचार शक्ति का विकास होता है।

सर्वागीण विकास All Round development :–यात्रा का मुख्य उदेश्य छात्र का सर्वागीण विकास करना होता है। किताबी ज्ञान केवल बौद्धिक विकास करना है। शिक्षा का उदेश्य बालक का शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, चारित्रिक तथा प्रत्येक क्षेत्र में बालक का विकास करना होता है। यात्रा में इन सभी स्थितियों का पाया जाता है तथा बालक के लिए प्रत्येक क्षेत्र में सहायक है।

References

- Greene, Kisida, Bowen, Jay P., Brian, Daniel H. "The Educational Value Of Field Trips". Education Next. Retrieved 4 March 2015.
- "The Educational Value Of Field Trips". Education Next. Ednext. Retrieved 5 March 2015.
- Https://Www.Exploratorium.Edu/Visit/Field-Trips
- Http://Www.Informalscience.Org/Knowledge-Base/Field-Trips-Are-Valuable-Learning-Experiences